"परामर्शन की परिभाषा"

परामर्शन एक व्यक्तिगत या व्यक्तिगत प्रक्रिया है। परामर्शन व्यक्ति के साथ सीधे संपर्क की एक श्रृंखला है जिसका उद्देश्य उसे अपने दृष्टिकोण और व्यवहार को बदलने में सहायता प्रदान करना है यह हमेशा व्यक्तिगत होता है। यह एक समूह के साथ नहीं किया जा सकता है। आजतक परामर्शन की कोई सर्वस्वीकार्य परिभाषा नहीं दी जा सकी है जिससे यह विचार और भी अधिक मजबूत होता है कि परामर्शन एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें अनेक उपागमों एवं प्रविधियों को प्रयुक्त करके व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास, समस्याओं का समाधान, व्यवहारगत समायोजनात्मक समस्याओं का परिहार, निरोध अथवा उपचार द्वारा व्यक्ति के जीवन को सहज उद्देश्यपूर्ण एवं संतोषप्रदायी बनाने का प्रयत्न किया जाता है। व्यक्ति को प्रकार्यात्मक दृष्टि से सर्वोत्कृष्ट इकाई के रूप में विकसित होने के लिए सहयोग दिया जाता है।

Ruth Strange के अनुसार "परामर्शन प्रक्रिया एक संयुक्त प्रयास है। परामर्शन प्रक्रिया का

सार तत्व ऐसा संबंध है जिसमें व्यक्ति, जिसका परामर्शन हो रहा है, स्वयं को पूर्णत: अभिव्यक्त करने के लिए स्वतंत्रता का अनुभव करता है, तथा अपने लक्ष्यों, उनकी सिद्धि के बारे में स्पष्टीकरण व उनकी सिद्धि हेतु अपने सामर्थ्यों और समस्याओं के प्रकट होने पर उनके समाधान की विधियों या साधन के बारे में आत्मविश्वास अर्जित करता है।"

<u>क्रो एवं क्रो</u> के अनुसार, "साक्षात्कार परामर्शन का केन्द्र बिन्दु है"

<u>मायर्स</u> के अनुसार, "वस्तुत: परामर्शन साक्षात्कार व्यक्ति के साथ उसके शैक्षिक, व्यवसायिक, मनोरंजन संबंधी या अन्य योजनाओं को प्रभावित करने वाले उसके व्यक्तिगत सामर्थ्यों और सीमाओं के बारे में विचार करने एवं समस्याओं का निराकरण या सामर्थ्यों का विकास करने व सीमाओं को समाप्त करने की संभव विधियों की दिशा में चिन्तन को उन्मुख करने के लिए विचार करने का अवसर प्रदान करता है।"

उपर्युक्त परिभाषाओं में परामर्शन के साक्षात्कार स्वरूप पर बल देते हुए व्यक्ति के सामर्थ्यों के विकास, आत्मविश्वास अर्जित करने

और समस्याओ के समाधान के विधियो के अधिगम पर बल दिया गया है।
जब कि **राबिन्सन** समायोजनात्मक पक्ष पर बल देते हुए लिखते है कि-
" परामर्शन का लक्ष्य व्यक्ति की समायोजनात्मक अनुभूति और न केवल तात्कालिक अपितु दीर्घकालिक परिस्थितियो मे भी उसकी समाज में सार्थकता में वृद्धि करना है।"
स्मिथ के अनुसार परामर्शन " एक प्रक्रिया है जिसमें परामर्शदाता परामर्शी को चयन, योजना से संबंधित तथ्यों की व्याख्या करने या समायोजन जो उसे स्थापित करने की आवश्यकता होती है, के लिए सहायता देता है।"
पैरेज तथा **पेपिन्सकी एवं पेपिन्सकी** के अन्तर्क्रियात्मक स्वरूप पर बल देते हुए देखे जा सकते है
पेरेज के अनुसार " परामर्शन एक अन्तर्क्रियात्मक प्रक्रिया है जो कि परामर्शी, जिसे सहायता की आवश्यकता है और परामर्शदाता, जो कि सहायता देने के लिए शिक्षित एवं प्रशिक्षित है, को जोड़ता है।"
पेपिन्सकी एवं पेपिन्सकी के अनुसार " परामर्शन वह अन्तर्क्रिया जो कि परामर्शी और परामर्शदाता के नाम से पुकारे जाने वाले दो

व्यक्तियों के मध्य व्यवसायिक पृष्ठभूमि में घटित होता है तथा परामर्शी के व्यवहार में परिवर्तन आरम्भ करने और उसके अनुरक्षण को सहज बनाता है"

पैटरसन की परिभाषा मनोवैज्ञानिक विधियों के उपयोग और मानसिक स्वास्थ्य के विकास पर बल देती है

पैटरसन के अनुसार, "परामर्शन और मनोचिकित्सा प्रक्रिया में एक या अनेक क्लायंट और चिकित्सक के मध्य अन्तर्वैयक्तिक संबंधो की स्थापना होती है जिसमें चिकित्सक मानव व्यक्तित्व के बारे में व्यवस्थित ज्ञान के आधार पर क्लायंट के मानसिक स्वास्थ्य को विकसित करने हेतु मनोवैज्ञानिक विधियों की सेवा लेता है"

उपर्युक्त परिभाषाओं से परामर्शन के स्वरूप के बारे में निम्नांकित विशेष बिन्दु प्रकट होते हैं:—

1. परामर्शन एक प्रक्रिया है।
2. परामर्शन परामर्शी और परामर्शदाता के मध्य अन्तर्क्रियात्मक संबंध है।
3. परामर्शन एक सतत प्रक्रिया है जिसमे अनेक अनुक्रमिक गतिविधियाँ संपन्न होती है।
4. परामर्शन प्रक्रिया में परामर्शदाता प्रशिक्षण

अनुभव और मनो वैज्ञानिक सिद्धान्तों के आधार पर सहायता देता है।

5. परामर्शन प्रक्रिया परामर्शी के लिए अधिगम की परिस्थितियाँ उत्पन्न करती है जिनके द्वारा व्यक्ति के संज्ञान, अनुभूति, अनुक्रिया, अन्तर्वैयक्तिक संबंधों में परिवर्तन उत्पन्न करने में व्यक्ति को लोकतान्त्रिक सहायता प्राप्त होती है।

6. परामर्शन का कार्य था विद्यालय उद्योग चिकित्सालय सामाजिक और सामुदायिक केन्द्र पुनर्वास केन्द्र जैसी विविध परिस्थितियों में सम्पन्न किया जाता है।

7. परामर्शन का स्वरूप विकासात्मक, निरोधात्मक तथा उपचारात्मक होता है।

8. परामर्शन मूलतः व्यक्ति के हित की दिशा में उन्मुख होता है।

9. परामर्शन के संबंध संरचना की विशेषताएँ स्नेह स्वतः स्फूर्त रुचि, और बोध होती है।

10. परामर्शन प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और सम्मान/आदर को महत्व दिया जाता है।